P-296

Total Pages : 4 Roll No. .....

BASL-102

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद

Bachelor of Arts (BA)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. भर्तृहरि का जीवन परिचय देते हुए संस्कृत साहित्य में नीतिशतक की मौलिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्

विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरुणां गुरुः।

विद्या बन्धुजनोविदेशगमने विद्या परं दैवतं

विद्या राजसु पूज्यते नहि धनं विद्याविहीनः पशुः।।

(ख) यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः

स पण्डितः स श्रुतवान्गुणज्ञः।

स एव वक्ता स च दर्शनीयः

सर्वे गुणाः कांचनमाश्रयन्ते।।

3. हितोपदेश के आधार पर मूषक परिव्राजक कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

4. वाच्य परिवर्तन क्या है, विशद् व्याख्या कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(क) ध्रुवमऽपायेऽपादानम्।

(ख) कर्मणायमभिप्रैति स सम्प्रदानम्।

(ग) आधारोऽधिककरणम्।

(घ) सहयुक्तेऽप्रधाने।

(ङ) साधकतमं करणं।

(छ) कर्मणि द्वितीया।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अनुदात्त और पद संज्ञा विधायक सूत्र लिखकर उदाहरण सहित उनकी व्याख्या कीजिए।

2. आधार के अर्थ में कौन-सी विभक्ति होती है? सूत्र सहित उनकी व्याख्या कीजिए।

3. गुण और वृद्धि विधायक सूत्र लिखिए और उदाहरण सहित उनकी व्याख्या कीजिए।

4. कर्तृवाच्य किसे कहते हैं, स्पष्ट कीजिए।

5. हितोपदेश के आधार पर लुब्धविप्र व्याघ्र कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

6. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

   वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।

   न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि।।

7. श्री नारायण पण्डित का जीवन परिचय दीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

किं बहुना! श्रुयतां ममैष सिंहनादः। नाहमर्थलिप्सुर्ब्रवीमि, ममाऽशीतिवर्षस्य व्यावृत्तसर्वेन्द्रियार्थस्य न किंचिदर्थेन प्रयोजनम। तवत्प्रार्थनासिद्धयर्थ सरस्वतीविनोदं करिष्यामि। तल्लिख्यतामद्यतनो दिवसः। 'यद्यहं षण्मासाभ्यन्तरे तव पुत्रान्नयशास्त्रं प्रत्यनन्यसदृशान्न करिष्यामि, ततो नाऽर्हति देवो देवमार्ग सन्दर्शयितुम्'।